MAHD - 02

December - Examination 2015

M.A. (Previous) Hindi Examination

आधुनिक काव्य

Paper - MAHD - 02

Time : 3 Hours] **[Max. Marks :- 80**

निर्देश : प्रश्न पत्र खण्ड 'अ', 'ब' और 'स' में विभाजित है। खण्ड 'अ' अति लघुत्तरात्मक है, खण्ड 'ब' लघुत्तरात्मक एवं खण्ड 'स' में निबंधात्मक प्रश्न सम्मिलित हैं।

(खण्ड – अ) 8 x 2 = 16

नोट : सभी प्रश्नों के उत्तर अनिवार्य हैं। आप अपने उत्तर को एक शब्द, एक वाक्य, या अधिकतम 30 शब्दों में दीजिये। प्रत्येक प्रश्न 2 अंक का है।

1) निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर लिखिए।

(i) 'छायावाद का उपनिषद्' किस काव्य कृति को कहा गया है?

(ii) 'साकेत' महाकाव्य के नायक–नायिका कौन हैं?

(iii) सुमित्रानंदन पंत को 'कोमल कल्पना का कवि' क्यों कहा जाता है?

(iv) 'मधुबाला' में बच्चन की किस प्रकार की रचनाएँ संकलित हैं?

(v) 'कुरुक्षेत्र' का कथानक किस रचना से प्रभावित हैं?

(vi) 'बादल को घिरते देखा है' कविता किस संग्रह में संकलित है?

(vii) अज्ञेय का सम्बन्ध किस काव्यधारा से है?

(viii) 'परिमल' का प्रकाशन वर्ष क्या है?

(खण्ड – ब) 4 x 8 = 32

नोट : निम्नलिखित प्रश्नों में से कोई चार प्रश्न कीजिए। शब्द सीमा लगभग 200 शब्द हैं। प्रत्येक प्रश्न 8 अंक का है।

2) **निम्न पद्यांश की सप्रसंग व्याख्या कीजिए :–**

हाय! मृत्यू का ऐसा अमर, अपार्थिव पूजन?
जब विषण्ण, निर्जिव पड़ा हो जग का जीवन।
स्फटिक–सौंध में हो श्रृंगार मरण का शोभन,
नग्न, क्षुधातुर, वस्त्र विहिन रहें जीवित जन?
मानव! ऐसी भी विरक्ति क्या जीवन के प्रति?
आत्मा का अपमान, प्रेत और छाया से रति!!
प्रेम अर्चना यहीं, करे हम रण का वरण?
स्थापित कर कंकाल, भरे जीवन का प्रांगण?

3) **निम्न पद्यांश की व्याख्या कीजिए।**

कालीदास,सच–सच बतलाना।
इन्दुमती के मृत्युशोक से
अज रोया या तुम रोए थे?
कालीदास, सच–सच बतलाना।
शिवजी की तीसरी आँख से
निकली हुई महाज्वाला में
घृतमिश्रित सुखी समिधा–सम
कामदेव जब भस्म हो गया
रति का क्रन्दन सुन आँसू से
तुमने ही तो दृग धोए थे?

4) **निम्न पद्यांश की व्याख्या कीजिए।**

जो तुम आ जाते एक बार
कितनी करुणा कितने संदेश
पथ में बिछ जाते बन पराग
गाता प्राणों का तार तार
अनुराग भरा उन्माद राग,
आँसू लेते वे पद पखार
हँस उठते पल में आर्द्र नयन
धुल जाता ओठों से विषाद
छा जाता जीवन में बसंत
लुट जाता चिर संचित विराग
आँखें देती सर्वस्व वार।

5) **निम्न पद्यांश की व्याख्या कीजिए।**

जनता के लिए लड़ो या न लड़ो
भारत पाकिस्तान अलग–अलग करो
फिर मरो,
भूल जाओ
राजनीति
अध्यापक याद करो किसके आदमी हो तुम
एक दर्जा नीचे
किसका आदमी बनता है – दर्द?

6) 'युग बदला' कविता और 'कर्णोत्थान' कविता का परिचय प्रस्तुत कीजिए।

7) नागार्जुन की कविता का वैविध्य चित्रित कीजिए।

8) रघुवीर सहाय की कविताओं में व्यक्त यर्थाथ चित्रण की समीक्षा कीजिए।

9) सुमित्रानंदन पन्त के काव्य में प्रकृति–चित्रण की विशेषता को रेखांकित कीजिए।

(खण्ड – स) 2 x 16 = 32

नोट : निम्नलिखित प्रश्नों में से किन्ही दो का उत्तर दीजिए। शब्द सीमा अधिकतम 500 शब्द हैं। प्रत्येक प्रश्न 16 अंक का है।

10) 'सूर्यकान्त त्रिपाठी निराला' छायावाद के प्रतिनिधि कवि हैं' इस कथन के आलोक में निराला के काव्य की मूल विशेषताओं का वर्णन कीजिए।

11) जयशंकर प्रसाद का साहित्यिक महत्व निरुपित कीजिए।

12) मैथिलीशरण गुप्त के काव्य में विद्यमान भाव पक्ष और कला पक्ष का विवेचन कीजिए।

13) 'असाध्य वीणा' कविता की संवेदना और शिल्प का सोदाहरण विश्लेषण कीजिए।